भरतपुर के चार शार्पशूटर अजमेर में गिरफ्तार, हथियार बरामद

राजनीतिज्ञ, व्यापारी और एक हिस्ट्रीशीटर की हत्या की थी साजिश

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिला पुलिस ने शहर में बड़ी वारदात को अंजाम देने आए भरतपुर के चार शार्प शूटरों को घटना घटित होने से पहले ही पकड़ लिया। आरोपितों के कब्जे से पुलिस ने सात पिस्टल, 14 मैग्जीन और 82 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। सभी आरोपी यहां एक राजनेता, प्रतिष्ठित व्यापारी व अलवरगेट पुलिस थाने के हिस्ट्रीशीटर संजय मीणा की हत्या करने के इरादे से आए थे।

जिला पुलिस अधीक्षक के चूनाराम जाट के अनुसार पकड़े गए आरोपितों में भरतपुर निवासी कपिल कुमार, विजय उर्फ विक्की उर्फ पंडित, सौरभ और अभिषेक शामिल है। इनके कब्जे से 7 पिस्टल मय मैगजीन भरी हुई, मय अतिरिक्त मैगजीन भरी हुई, कुल 82 कारतूस बरामद किए गए। पुलिस अधीक्षक ने प्रेस वार्ता में बताया कि पूर्व में संजय मीणा के साथियों द्वारा धर्मेन्द्र चौधरी की हत्या की साजिश रचकर हत्या को अंजाम दिया था, जिस पर धर्मेन्द्र चौधरी के भतीजे वरुण चौधरी द्वारा उक्त घटना से संबंधित व्यक्तियों से बदला लेने के लिए उनकी हत्या कर आमजन में भय कारित करवाने की

पुलिस गिरफ्त में आरोपी शार्पशूटर व बरामद पिस्टल और कारतूस।

साजिश वरुण चौधरी व आकाश सोनी द्वारा रची गई एवं अक्त घटना को अंजाम देने के लिए भरपुर से चारों शूटरों को बुलाकर यहां अमन दिवाकर उफ पंडित व आकाश सोनी के सहयोग से कुंदन नगर अजमेर में किराए के मकान में ठहराया गया।यह शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी, राजनीतिज्ञ व संजय मीणा की रैकी कर रहे थे। मौका मिलते ही एक दो दिन में अपने सहयोगियों के सहयोग से उक्त चारों शूटर इनकी हत्या करने के प्रयास में थे। जिनको समय रहते पकड़ लिया गया।

एसपी जाट ने बताया कि पकड़े गए चारों आरोपी शार्प शूटर थे। वे यहां राजनीतिक, बिजनेसमेन व हिस्ट्रीशीटर की हत्या करने के लिए भरतपुर से आए थे। पूरे घटनाक्रम के मास्टर माइंड वरूण चौधरी व आकाश सोनी है। एसपी जाट ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों को इस काम के लिए 10 लाख देना तय हुआ था। आकाश पुलिस गिरफ्त में है, लेकिन वरूण पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पुलिस चारों से पूछताछ में जुटी है। पुलिस ने राजनीतिज्ञ व बिजनेसमेन के नाम का खुलासा नहीं किया है।

एसपी जाट ने बताया कि पुलिस पूछताछ में सामने आया कि पूर्व में संजय मीणा के साथियों ने साजिश रचकर धर्मेन्द्र चौधरी की हत्या को अंजाम दिया था, जिस पर धर्मेन्द्र चौधरी के भतीजे वरूण चौधरी ने बदला लेने के लिए उनकी हत्या कर आमजन में भय पैदा करना चाहा था। वर्तमान में संजय मीणा अजमेर में निवास कर रहा है। जिसकी हत्या करवाने की साजिश वरुण चौधरी व आकाश सोनी द्वारा रची गई। घटना को अंजाम देने के लिए भरतपुर से चार शूटर बुलाए। उनको अमन दिवाकर उर्फ पंडित व आकाश सोनी के सहयोग से कुंदर नगर अजमेर में ठहराया। चारों शहर के एक प्रतिष्ठित व्यापारी व राजनितिज्ञ व संजय मीणा की रैकी कर रहे थे और मौका मिलते ही एक दो दिन में ही अपने सहयोगियों के सहयोग से हत्या करने के प्रयास में थे। पुलिस ने वारदात से पहले ही चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

चलती स्लीपर बस में लगी आग, कोई हताहत नहीं

सवारियों का सामान जलकर राख, पुलिस ने दमकल की मदद से बुझाई आग

बस में लगी भीषण आग।

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर स्थित निकटवर्ती ग्राम मोहलाहेड़ा के समीप बीती रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। आग की भनक लगते ही सवारियों में चीख-पुकार मच गई।

इधर चालक-परिचालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत बस को साइड में रोककर सवारियों को नीचे उतारा कर सवारियों की तो जान बचा दी किन्तू इस दौरान सवारियों का सामान पूरी तरह जल कर राख हो गया। आग इतनी विकराल हो गई थी कि देखते ही देखते आग की लपटों ने बस को चारों ओर से अपने आगौश में ले लिया।

इधर घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दमकल की सहायता से आग पर काबू पाया। सवारियों से भरी स्लीपर बस दिल्ली से अजमेर जा रही थी। शुक्रवार की रात करीब 2.30 बजे मोलाहड़ा गांव के पास पहुंचते ही अचानक बस से धुआं उठने लगा। हाईवे पर चल रहे अन्य वाहन चालकों में इसकी सूचना बस चालक को दी। घटना के दौरान बस में सवार अधिकांश यात्री नींद में थे। घटना के दौरान काफी देर तक हाइवे पर आवागमन बाधित रहा। हालांकि पुलिस ने बस को साइड में करवाकर हाईवे पर आवागमन सुचारू करवाया और दूसरी बस बुलवाकर सवारियों को उनके गंतव्य के लिए रवाना किया।

दो लुटेरे गिरफ्तार

सात दिन पहले इंडियन बैंक में डकैती डाली थी

जिला पुलिस स्पेशल टीम व मदनगंज थाना पुलिस ने डकैतों को गिरफ्तार किया।

- कर्ज चुकाने के लिये हथियार की नोक पर सात दिन पहले पौने चार लाख रुपये लूटे थे
- बैंक को डाइनामाईट से उड़ाने की धमकी देकर मैनेजर से 40 लाख रूपये मांगे थे

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। जिला पुलिस स्पेशल टीम व मदनगंज थाना पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए सात दिन पहले इंडियन बैंक में हथियार की नोक पर डकैती डालकर नगदी लूटकर फरारी काट रहे डकैतों को गिरफ्तार किया। कर्ज चुकाने के लिये दिनदहाड़े बैंक में डकैती डालने वाले गुनहगारों में गांव काजीपुरा (गंज) अजमेर निवासी प्रेमसिंह (27) पुत्र मदनसिंह रावत व बापूनगर सुंदर विलास अजमेर निवासी कमलेश (26) पुत्र रामचंद्र वैष्णव शामिल है।

पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने बताया की विगत सात अक्टूबर को दोपहर करीब सवा तीन बजे दो नकाबपोश बदमाश खोड़ा गणेश रोड़ स्थित इंडियन बैंक में घुस गये और मैनेजर सहित स्टॉफ को पिस्टल की नोक पर बंदी बनाकर 40 लाख रूपये की मांग की थी। साथ ही बैंक को डाइनामाईट विस्फोट से उडाने की धमकी देकर मैनेजर से कहा लॉकर की चाबी कहा है, मैनेजर ने कहा लॉकर में कुछ नहीं है, मौके की नजाकत को भांप दोनों बदमाश कैशियर से 3 लाख 76 हजार 130 रूपये लूटकर बाईक से फरार हो गये। सनसनीखेज वारदात को लेकर पुलिस उपाधीक्षक सिटी मनीष शर्मा के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। टीम में मदनगंज थाना पुलिस व जिला स्पेशल टीम के अफसरों व जवानों को शामिल किया गया।

विशेष टीम ने घटनास्थल का दौरा कर हर पहलू की बारीकी से पड़ताल कर कई सीसीटीवी कैमरों को खंगालकर जांच के दायरे में ले लिया। इस बीच फुटेज में दोनों बदमाशों का हुलिया नजर आने के बाद इनको धरदबोचा। बताया जाता है कि शुरूआती दौर में दोनों अपने आपको बेगुनाह बताकर पुलिस को गुमराह करते रहे, किंतु कड़ी पूछताछ के पश्चात इन्होने गुनाह में संलिप्तता स्वीकार कर कहा कर्ज चुकाने के लिये रास्ता अख्तियार करना पड़ा। पुलिस टीम में मदनगंज थाना इंचार्ज घनश्याम सिंह, सब इंस्पेक्टर विक्रम सेरावत, जीतेन्द्र सिंह दुर्गेश सिंह सीताराम चौधरी, दातार चौधरी, रामराम चौधरी के अलावा जिला स्पेशल टीम से हैंड का. देवेंद्र सिंह, आशीष गहलोत, अभयसिंह, राजाराम, सीताराम काला, करतार शामिल रहे।

मृत गायों को लेकर आक्रोश

दूदू, (निसं)। मालपुरा रोड पर एक खाली पड़े मैदान में मृत मिली गायों को लेकर गौशाला समिति सदस्यों व भाजपा कार्यकताओं ने आक्रोश जताकर प्रशासन से मृत गायों का पोस्टमार्टम कराने की मांग की है। भाजपा मण्डल महामंत्री अवधेश शर्मा, पार्षद पुरूषोतम स्वामी ने बताया कि गायों के मृत पड़े होने की सूचना के बाद वहां कार्यकर्ता पहुंचे तो पाया कि गायों की मौत अपशिष्ट पदार्थ खाने से हुई है। तहसीलदार कमलेश गौतम, पटवारी हंसराज चौधरी, पशुपालन विभाग से अजय मीणा कम्पाउंडर ने पहुंचकर जानकारी ली। मौके पर युवा मोर्चा के अध्यक्ष के.वी सिंह, गौशाला समिति के योगेश पारीक, जीतू जादम, विशाल पारीक सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रशासन से मृत गायों का पोस्टमार्टम कराने की मांग की गई। तहसीलदार कमलेश गौतम का कहना है कि गायों की मौत बीमारी से हुई है। पशु चिकित्सा के कम्पान्डर अजय मीणा का कहना है कि गायों की मौत दो दिन पूर्व हो चुकी थी।

तीन लाख की शराब व कार जब्त, महिला व पुरुष गिरफ्तार

मनोहरपुर, (निसं) थाना पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए 3 लाख रुपए की 120 शराब बोतल व शराब तस्करी में प्रयुक्त वाहन वरना कार जप्त कर अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर गिरोह की एक महिला व एक पुरुष को गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार सिंह जिला जयपुर ग्रामीण द्वारा चुनाव आयोग की गाइड लाइन के अनुसार विधानसभा चुनाव 2023 के मध्यनजर अवैध मादक पदार्थ व शराब तस्करी की रोकथाम हेतू विशेष अभियान हेतू निर्देश दे रखे हैं जिसकी पालना में पुलिस थाना मनोहरपुर की विशेष टीम का गठन किया जाकर निम्न कार्यवाही की गई। 13 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली की कोटपुतली की तरफ से एक वरना कार

मनोहरपुर थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया।

आ रही है जिसमे अवैध हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब भरी होने की सम्भावना है आदि इतला पर दिल्ली से जयपुर जाने वाली रोड पर बिजली ग्रेड मनोहरपुर टोल प्लाजा के पास नाकाबन्दी की। जहां दिल्ली की तरफ से आने वाले वाहनों को चैक किया गया व मुताबिक इत्तला के एक वरना कार को रुकवाया और चैक किया गया तो कार में चालक के बगल वाली सीट पर एक महिला बैठी थी। कार संदिग्ध होने पर कार चालक द्वारा कार में भरे सामान के बारे में जानकारी करने पर चालक द्वारा संतोष जनक जबाब नहीं देने पर कार की तलाशी की गई तो कार की डिग्गी में अवैध अंग्रेजी (स्कोच) ब्राण्डेड शराब की 120 बोतलों को छुपा रखी थी।

इस तरह मुल्जिमान द्वारा कार में अवैध अंग्रेजी शराब का परिवहन करने पर अभियोग धारा 19 / 54 आबकारी अधिनियम दर्ज किया। शराब तस्करों द्वारा पुलिस से बचने के लिये महिला को कार में साथ बैठाकर शराब की तस्करी की जा रही है। मुल्जिमान से अनुसंधान के बाद शराब तस्करी में संलिप्त गिरोह के खुलासा होने की सम्भावना है।

कांग्रेस फिर से डॉ. चन्द्रभान पर दांव खेलने की तैयारी में

मालपुरा, (निसं)। सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित व जाट बाहुल्य मालपुरा विधानसभा सीट से बीते 30 साल से हार का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी यहां स्थानीय की मांग को दर किनार कर राजनैतिक जीवन में 9 बार चुनाव लड़ महज 2 बार जीत का सेहरा पहने बीसूका उपाध्यक्ष डॉ. चन्द्रभान पर दांव खेलने की तैयारी में है। जिसकी सुगबुगाहट के साथ ही राजनैतिक गलियारे में कांग्रेस के स्थानीय दावेदारों में पीसीसी के इस निर्णय को लेकर विरोध के स्वर उठने की चर्चाऐं सामने आने लगी हैं।

मालपुरा विधानसभा के राजनैतिक इतिहास के आंकडों पर नजर डाले तो दामोदर लाल व्यास व डॉ. सुरेन्द्र व्यास ने 7 बार चुनाव जीत कांग्रेस पार्टी का ईकबाल बुलन्द रखा। वर्ष 1998 में कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इशारे पर स्थानीय व सामान्य के मुद्दे को दर किनार कर बाहरी को प्रत्याशी बनाये जाने के साथ ही मालपुरा से कांग्रेस पार्टी की हार का क्रम शुरू हुआ। जो कि 30 साल से चला आ रहा है। प्रदेश की अशोक गहलोत सरकार में 19 नवीन जिलों की घोषणा में मालपुरा को शामिल नहीं करने के बाद शुरू हुए जनआंदोलन के बाद चुनाव आचार संहिता से महज दो दिन पूर्व मालपुरा को जिला बनाने की सार्वजनिक मंच से घोषणा कर अपने उद्बोधन में डॉ. चन्द्रभान का नाम बार-बार लेने के बाद मालपुरा से अचानक दावेदारों की सूची में चन्द्रभान का नाम शामिल हो गया।

सूत्रों की माने तो गहलोत सरकार सहित एआईसीसी व पीसीसी द्वारा करवाये गये तीन सर्वे में चन्द्रभान का नाम शामिल नहीं होने के बावजूद चन्द्रभान का नाम मालपुरा प्रत्याशी के रूप में तीव्र गति से सामने आ गया। मालपुरा के जनआंदोलन के बीच मुख्यमंत्री ने एनवक्त पर मालपुरा को जिला बनाने की घोषणा कर तीस साल से हार रही कांग्रेस को मालपुरा से जीत का ख्वाब देखते हुए चन्द्रभान का नाम कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में सुर्खियों में ला दिया। बीते दिन मालपुरा पहुंचे डॉ. चन्द्रभान को कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आमजन की नाराजगी तथा जगह-जगह लगे चन्द्रभान जी वापस जाओं जैसे विरोध का सामना करना पडा।

लोहे के सरिये से वार कर युवक की हत्या

बौंली, (निसं)। सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा थाना अंतर्गत अभयपुरा गांव के एक युवक की कई लोगों ने मिलकर सरिया का वार कर हत्या कर दी।

अभयपुर गांव का निवासी रामअवतार गुर्जर उम्र 40 वर्ष शिवाड़ से अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान एंचेर निवासी दौलतराम, कालूराम व मनराज मीणा ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर आए और एक राय होकर आपसी विवाद करने के बाद युवक पर सरिया से सर पर वार कर दिया। इन लोगों में किसी लड़की के फोटो को लेकर आपसी विवाद था। युवक के अचेत हो जाने पर ग्रामीण व परिजन उसे लेकर शिवाड़ चिकित्सालय पहुंचे जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक की मृत्यु के मौत की सूचना सुनकर ग्रामीण व परिजनों ने चिकित्सालय के बाहर हंगामा खड़ा कर दिया एवं शव लेने से इनकार कर दिया।

सूचना पाकर चौथ का बरवाड़ा थाना प्रभारी टीनू सोगरवाल व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे एवं परिजनों व ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। काफी समझाने के बाद परिजन मृतक के परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने व अन्य मांगों पर अड़े रहे। आखिरकार परिजनों से समझौता हो जाने के बाद शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी दौलत राम व कालूराम मीणा निवासी एचेर को हिरासत में लिया है। जबकि मृतक के भतीजे का कहना है कि इसमें अनेकों लोग मौजूद थे।

बीस हजार किमी. पीछा कर एक किलो सोना चुराकर ले जाने वाली बागरिया गैंग पकड़ी

खरीदादार सहित पांच गिरफ्तार, जातरू बनकर आए थे

- एक मकान में सेंध लगाकर एक किलो सोना, तीन किलो चांदी और नगदी चोरी का मामला

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाने से आगे कमला नेहरू नगर में 12 सितंबर को एक मकान में सेंध लगाकर एक किलो सोना, तीन किलो चांदी और नगदी चोरी के प्रकरण का पुलिस ने खुलासा करते हुए बागरिया गैंग को पकड़ा है। चार लोग गिरफ्तार करने के साथ पांचवां आरोपी माल खरीददार भी हाथ लगा है। आरोपी रामदेवरा मेला में जातरू बनकर आए और सूने मकान में सेंध लगा गए थे। पुलिस ने अथक परिश्रम के बाद गैंग का खुलासा कर दिया। प्रकरण को खोलने के लिए पुलिस ने 15 सौ से ज्यादा कैमरों को खंगाला। पुलिस की दो टीमों ने बीस हजार किलोमीटर तक इनका पीछा किया तब जाकर कहीं कामयाबी मिली है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम गौरव यादव ने बताया कि प्रतापनगर थाना क्षेत्र के डी-29 कमला नेहरू नगर निवासी कारोबारी राजेश जांगिड़ के मकान में गत 12 सितंबर को अज्ञात चोरों ने सेंध लगाकर वहां से एक किलो सोना, तीन किलो चांदी के साथ नगदी पर हाथ साफ कर गए थे। मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने चोरों का पता लगाने के लिए पुलिस की अलग अलग टीमों का गठन किया गया। बाद में पता लगा कि ब्यावर की बागरिया गैंग का इसमें हाथ हो सकता है, इस पर पुलिस ने गहन पड़ताल करते हुए गैंग को पकड़ा है।

डीसीपी वेस्ट यादव ने बताया कि पुलिस की टीमों ने पीछा करते हुए बागरिया गैंग के ब्यावर के बिजयनगर रिको शास्त्री कॉलोनी निवासी गोपाल पुत्र गोकूल बागरिया, धर्मराज उर्फ धर्मा पुत्र मोहन बागरिया, मोहन पुत्र रूघानाथ बागरिया और गोपाल पुत्र मगना बागरिया को पकड़ा गया है। इनके साथ ही माल खरीदने वाले भीलवाड़ा के रायला थानान्तर्गत ओझा मोहल्ला निवासी विनोद उर्फ गोविंद पुत्र भगवती लाल को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इनसे अब माल बरामदगी के प्रयास किए जा रहे है।

एसीपी प्रतापनगर अशोक आंजणाने बताया कि आरोपी जातरूओं की आड़ में आते थे। यह लोग अपनी बाइक्स पर झंडी लगाकर जातरूओं की भीड़ में शामिल हो जाते और दिन में रैकी करते थे। दो तीन साथी सूने मकान में प्रवेश करते फिर दो तीन साथी दूर बाइक लेकर खड़े रहते और वारदात के बाद फरार हो जाते थे।

थानाधिकारी भूटाराम ने बताया कि बागरियां गैंग के यह लोग इतने शातिर है कि वारदात से पहले अपने मोबाइल परिवार के सदस्य को देते थे, ताकि वे पकड़ में नहीं आए। वारदात के तीन चार दिन बाद मोबाइल वापिस परिवार से ले लेते। यह लोग बाइक पर ही अपने कपड़े बदल देते है। चोरी की घटना के समय यह सूने मकान में पीछे की खिड़की निकाल कर प्रवेश करते या फिर छत ऊपरवाले रास्ते से घुसते थे।

अब तक की पूछताछ में पता लगा कि इन लोगों द्वारा जोधपुर के अलावा पाली, उदयपुर में भी चोरी, लूट नकबजनी की वारदातों को अंजाम दिया गया है। इसमें आरोपी गोपाल के खिलाफ जोधपुर, पाली उदयपुर में पहले से ही नकबजनी चोरी के प्रकरण सामने आ रखे है। बिजय नगर ब्यावर में हत्या मारपीट के छह प्रकरण दर्ज है। जबकि धर्मराज उर्फ धर्मा के खिलाफ चोरी, मारपीट और हत्या सहित सात प्रकरण दर्ज है। मोहन के खिलाफ मारपीट के दो प्रकरण दर्ज है। विनोद उर्फ गोविंद के खिलाफ चोरी का माल खरीदने के पांच प्रकरण सामने आ चुके है।

गैग को पकड़ने के लिए पुलिस की टीमें बिजय नगर, गुलाबपुरा, शाहपुरा भीलवाड़ा, भिनाय, फुलियाकल्ला, रायला, नीमच, रतलाम, उज्जैन, मंदसौर, उदयपुर में कैंप किया गया। पूर्व चालानसुदा बागरियां गैग के सदस्यों से पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद उक्त चारों बदमाश पुलिस के हाथ लग पाए।

दो मंदिरों के ताले तोड़ चांदी के आभूषण चोरी

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा के तहनालगेट पर स्थित नगर की शक्तिपीठ बिजासन माता मंदिर में शनिवार को दर्शनार्थी अल सुबह दर्शन करने पहुंचे। जहां निज मंदिर व परिसर के एक कमरे का ताले टूटे हुए तथा सामान बिखरा हुआ देख दंग रह गए। पुजारी नंदलाल कहार व हीरालाल गुर्जर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अभी घटना स्थल का मुआयना कर ही रही थी कि तहनालगेट पर स्थित रामदेव मंदिर के भी ताले टूटे देख पुजारी राकेश बैरवा दौड़ता हुआ पुलिस के पास पहुंचा। पुलिस ने दोनों मंदिरों में हुई चोरी की घटना का जायजा लिया। दोनों पुजारियों की रिपोर्ट के अनुसार माताजी व रामदेव मन्दिर से चांदी के मुकुट व चांदी के छत्तर चोरी होना बताया गया है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का मुआयना किया।

पुलिस को दी रिपोर्ट में व वहां उपस्थित श्रद्धालुओं ने पुलिस को बताया कि नशेड़ियों ने इन खुले परिसर वाले मन्दिरों को नशे का अड्डा बना रखा है। रात्रि में शराबी 12 बजे तक उत्पात मचाते हुए मंदिर परिसर में रात बिताने वाले लकवे के पीड़ितों व उनके परिजनों को परेशान करते हैं। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की जाती है। साथ ही रातभर समेक्ची (नशेड़ी) मन्दिर परिसर व तालाब पर नशा करते है अपनी लत को पूरा करने के लिए इन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते है।

चोरों के निशाने पर धार्मिक स्थल :- इन दिनों चोरों ने धार्मिक स्थलों को टारगेट पर रखते हुए ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे है। इसी क्षेत्र तहनालगेट रेगर बस्ती में स्थित तेजाजी के मंदिर, गोगाकुई बालाजी मंदिर, तालाब की बगीची हनुमान मंदिर में 3 माह के अंदर चोरी की वारदातें हुई। गत माह रामदेव मंदिर परिसर में एक ईमित्र की दुकान के ताले तोड़ सारे सामान ले जाने का मामला भी दर्ज हुआ। आज तक इन चोरियों का खुलासा पुलिस नहीं कर पाई।